मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 77, मुंबई, गुरुवार, 21 मई, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

देश में 21 साल के बाद कोई सुपर साइक्लोन आया है। 1999 में एक चक्रवात ओडिशा के तट से टकराया था। उसे साइक्लोन ओ5 बी या पारादीप साइक्लोन का नाम दिया गया था।

अम्फान का कहर

संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में बुधवार को 190 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाले विकराल चक्रवात अम्फान के कारण भारी तबाही हुई और कम-से-कम 12 लोगों की मौत हो गई। चक्रवात दोपहर में करीब ढाई बजे पश्चिम बंगाल में दीघा और बांग्लादेश में हटिया द्वीप के बीच तट पर पहुंचा। चक्रवात के कारण तटीय क्षेत्रों में भारी तबाही हुई, बड़ी संख्या में पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए, कच्चे मकानों को भी खासा नुकसान हुआ। अधिकारियों के अनुसार चक्रवात आने से पहले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में कम-से-कम 6 लाख 58 हजार लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बंगाल में 12 की मौत

5500 घरों को नुकसान, 5 लाख लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा

ममता बोलीं- युद्ध जैसा अनुभव हुआ

मुंबई में पहुंचे केंद्रीय बल

सीआईएसएफ ने भिंडी बाजार में किया फ्लैग मार्च

मुंबई। मुंबई में केंद्रीय बल पहुंच गए हैं। सीआईएसएफ ने भिंडी बाजार इलाके में बुधवार रात फ्लैग मार्च भी किया। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण के खिलाफ मुंबई पुलिस की मदद के लिए केंद्र सरकार से केंद्रीय बलों की 20 कंपनियों की मांग की थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संपादकीय

आपदाओं से मुकाबला

एक दुख हो या एक सुख, दोनों में से कोई अकेले नहीं आता। एक दुख के साथ कुछ अन्य दुख और एक सुख के साथ कुछ अन्य सुख अनायास आते हैं। बंगाल की खाड़ी से उठा तूफान अम्फान भी एक ऐसा दुख है, जो कोरोना के सतत होते दुख में शामिल होने आ गया है। इस तूफान पर सबकी नजर है। अम्फान को लेकर सकारात्मक बात यह है कि दुनिया भर के मौसम विज्ञानियों ने 14 मई के आसपास ही इससे बढ़ते खतरे का अंदाजा लगा लिया था। पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटीय इलाकों से जो खबरें आई हैं, उनसे पता चलता है, छह लाख से ज्यादा लोगों को प्रभावित होने वाले इलाकों से पहले ही निकाल लिया गया। लोगों को सचेत रहने के लिए कहा गया। ऐसा समुद्री तूफान 1999 के बाद से भारत में नहीं उठा था और यह भारत के साथ-साथ बांग्लादेश में भी तबाही की वजह बन सकता है। तूफान की गति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि रेलगाड़ियों के डिब्बों को लोहे की चेन से बांधना पड़ा। तूफान की रफ्तार 200 किलोमीटर प्रति घंटा तक जाने की आशंका है। बहरहाल, पूर्व सूचना और सचेत होने का फायदा यह होगा कि जान का नुकसान कम से कम होगा, लेकिन माली नुकसान का आकलन आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। आखिर क्यों उठते हैं ऐसे खतरनाक तूफान? वैज्ञानिक अध्ययनों ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि जैसे-जैसे समुद्री जल गरम होता जाएगा, समुद्र से उठने वाले तूफानों की भयावहता बढ़ती जाएगी। 1979 से लेकर 2017 के बीच उठे तूफानों के सैटेलाइट आंकड़ों से पता चलता है, 185 किलोमीटर प्रति घंटा से ज्यादा की रफ्तार वाले घातक तूफानों की संख्या बढ़ती जा रही है। भौतिक विज्ञान पहले ही इस तथ्य को उजागर कर चुका है कि समुद्र अगर एक डिग्री सेल्सियस गरम होता है, तो उस पर चलने वाली हवाओं की रफ्तार में पांच से दस प्रतिशत की वृद्धि होती है। अब सवाल है, समुद्र का तापमान क्यों बढ़ रहा है, तो इसके जवाब पर भी फिर गौर कर लेना चाहिए, पर्यावरण में ग्रीनहाउस गैसों के बढ़ते उत्सर्जन के कारण पृथ्वी गरम हो रही है। कोरोना के दिनों में लॉकडाउन की वजह से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम हुआ है, जिसके कुछ फायदे साफ दिख रहे हैं। हमें ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को स्थाई रूप से कम करते जाने की पुख्ता व्यवस्था करनी पडेगी, यह काम हम इंसानों के वश में है। आज तूफान और कोरोना के बीच जो लोग संबंध देख रहे हैं, तो वे गलत नहीं हैं। देश के अन्य हिस्सों की तरह पश्चिम बंगाल व ओडिशा में कोरोना की वजह से लोग पहले ही परेशान हैं और अब तूफान की आपदा से बचने की कोशिश में फिजिकल डिस्टेंसिंग का कितना पालन हो सकेगा, कहना मुश्किल है। इन दोनों राज्यों की सरकारों और देश के लिए दोहरी चुनौती पैदा हो गई है। लोगों को आपदा से भी बचाना है और कोरोना से भी। यदि छह लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, तो यकीन मानिए, सबको संभालने के लिए राहत शिविरों में सावधानी और इंतजाम के पहले के तमाम कीर्तिमान तोड़ने पड़ेंगे।

जब तक मजदूरों की राजनीतिक आवाज मजबूत नहीं होगी तब तक उनकी बेहतरी नहीं हो सकती

कोरोना संकट से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन ने हमें अन्य अनेक बातों के साथ यह भी सिखाया है कि जनगणना के आंकड़ों से बाहर निकलकर मजदूरों का एक बड़ा समूह कैसे हमारे जनतंत्र के अनेक दरवाजों की सांकल खटखटा रहा है? इस सामाजिक समूह का चेहरा-मोहरा, दुख-दर्द, संघर्ष कैसा है, इसे आज भारत की जनता बहुत अच्छे से देख रही है। भारत में प्रवासी मजदूर एक छितरी-बिखरी जनसंख्या भले हों, किंतु बिखरे होने के बावजूद वे एक सामाजिक समूह हैं। उन सबके भीतर एक ही प्रकार का सामाजिक भाव है और यही उन्हें एक सामाजिक समुदाय में रूपांतरित करता है। प्रवासी मजदूरों का जिक्र भारतीय इतिहास में शुरू से होता रहा है, किंतु अभी तक या तो इन्हें मात्र श्रमिक मानकर एक समरूपी समूह के रूप में देखा जाता रहा या मात्र जनगणना के आंकड़ों में दर्ज कर छोड़ दिया जाता रहा। अब वे एक बड़ी संख्या में तब्दील हो गए हैं।

अगर 2001 और 2011 के जनगणना के आंकड़ों की तुलना करके देखें तो इनकी संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है। 2001 से 2011 के बीच इनकी संख्या में उनकी वृद्धि कहीं तेज हुई है। 2001 में भारत के भीतर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर श्रम करने वाले प्रवासी मजदूरों की संख्या जहां लगभग 30 करोड़ थी वहीं 2011 में यह संख्या बढ़कर

45 करोड़ के आस-पास हो गई। यह विशाल आबादी एक इमोशनल कम्युनिटी के रूप में चुनावी राजनीति की एक प्रभावी संख्या होकर उभरती है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के चुनावों में इनकी संख्या आगे भी प्रभावी भूमिका में रहेगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रवासी मजदूरों की समस्याओं के समाधान में लगे हुए हैं। वे इस मामले में खासे सक्रिय हैं। कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी भी लॉकडाउन में दुख झेल रहे प्रवासी मजदूरों के मुद्दों के इर्द-गिर्द एक दबाव सृजित करती दिख रही हैं। उनके साथ-साथ कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी जनतांत्रिक राजनीति को मजदूरों के मुद्दों पर केंद्रित करती दिख रही है। बसपा नेता मायावती और सपा नेता अखिलेश यादव भी प्रवासी मजदूरों के मुद्दों को जिस तरह उठा रहे हैं उससे लगता है कि भविष्य में वे मजदूरों के हितों को लेकर और अधिक सक्रिय होने वाले हैं। यह भी माना जा रहा है कि बिहार की राजनीति में प्रवासी मजदूरों का मसला शायद निर्णायक होकर उभरे, क्योंकि सबसे अधिक मजदूर इसी राज्य के हैं। मध्य प्रदेश एवं राजस्थान की प्रशासनिक रणनीति भी प्रवासी मजदूरों के मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती दिख रही है। महाराष्ट्र और गुजरात में भी मजदूरों को लेकर अलग तरह की राजनीतिक सक्रियता देखने को मिल रही है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि विभिन्न राज्यों में श्रम कानूनों में परिवर्तन का मसला भी जनचर्चा का विषय बन रहा है।

लॉकडाउन के दौरान प्रवासी श्रमिकों को जैसे कटु अनुभव हुए हैं उसे देखते हुए यह माना जा रहा है कि वे रोजी-रोटी के लिए दूसरे शहरों की ओर फिर से पलायन करने के लिए शायद ही तैयार हों। कई विश्लेषक मानते हैं कि बहुत संभव है कि कोरोना संकट कम होने के बाद मजदूरों के महानगरों की ओर पलायन की प्रक्रिया थम सकती है। फिलहाल श्रमिक भी अपना गांव-घर छोड़ने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। इसे देखते हुए कई राज्य सरकारें इस कोशिश में हैं कि महानगरों से लौटे मजदूरों के लिए स्थानीय स्तर पर ही रोजगार के मौके उपलब्ध कराए जाएं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड, राजस्थान की सरकारें इस दिशा में प्रयास भी कर रही हैं। ऐसे में उस वक्त महानगरों में श्रमिकों की कमी हो सकती है जब कारोबारी गतिविधियों को फिर से शुरू करने की कोशिश की जा रही है। इसके चलते यह भी संभव है कि श्रमिक अब अपने श्रम को मात्र वेतन के रूप में नहीं देखें, वरन अपने लिए बेहतर सुविधाओं की मांग करें ताकि उन्हें फिर से ऐसी स्थितियों से दो-चार न होना पड़े। वे अपने लिए आवास की बेहतर सुविधा मांग सकते हैं। इसके नतीजे में मजदूरों के पलायन की एक नियंत्रित प्रक्रिया विकसित हो सकती है और हो सकता है कि अब उन्हें महानगरों में बेहतर सुविधाएं मिलें, लेकिन सवाल यह है कि उनकी आवाज कौन उठाएगा? क्या छीज चुकी श्रमिक राजनीति उनकी आवाज उठाएगी? ऐसे प्रतीत होता है कि धीरे-धीरे मजदूरों का मुद्दा फिर से भारतीय राजनीति के केंद्र में आ जाएगा। भूमंडलीकरण से पैदा हुआ और सशक्त हुआ मध्यवर्ग किसी के पक्ष एवं विपक्ष में राय बनाने वाला प्रभावी समुदाय है। उसके राजनीतिक स्वर के मुकाबले गरीब मजदूरों की राजनीति उभर सकती है।

कोरोना महामारी ने दी सीख

एक विषाणु यानी कोरोना वायरस ने एटमी हथियारों से लैस दुनिया में खलबली मचा दी है। विकसित राष्ट्रों में भय और संत्रास से बाहर निकलकर आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की मांग सुनाई दे रही है। इस मांग के समानांतर कुछ अहम प्रश्न भी हैं। जैसे कि विज्ञान और तकनीक के शीर्ष पर पहुंचे हुए राष्ट्र आखिर स्वास्थ्य सुविधाओं और जीवन रक्षक उपकरणों के अभाव से क्यों जूझ रहे हैं? लंदन, रोम, पेरिस और इन सबसे बढ़कर न्यूयॉर्क इस महामारी के सबसे अधिक चपेट में आने वाले नगर क्यों साबित हुए? आर्थिक गतिविधियों का तात्पर्य न तो कृषि है और न ही कृषि आधारित ऐसे उत्पाद जो मनुष्य के लिए अपरिहार्य हैं। भारतीय संदर्भों में सभ्यता की दृष्टि से दो महत्वपूर्ण स्थितियां हैं। एक इस विपत्ति के समय नगरीय जीवन उनको सहेजने और संभालने के लिए तैयार नहीं है, जिनकी मेहनत के बल पर संसार के जीवन की चकाचौंध है तो गांव उनको स्वीकार करने के लिए खड़ा है जिसे उन्होंने कुछ अधिक सुविधाओं और सुख के लिए छोड़ दिया था। भारत में दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु ये सब समाज जीवन के क्षेत्र में डार्विन के उस सिद्धांत

के सशक्त उदाहरण बनकर उभरे हैं जिसमें निर्बल के जीवन के लिए कोई मतलब नहीं है। महामारी के इस कालखंड के बाद भौतिकवादी लालच और उदारवादी अहंकार के बीच का प्रत्यक्ष युद्ध भी आसन्न है। ऐसे में कोरोना के बाद का जीवन कैसा होगा, इसको लेकर दुनियाभर के नीतिकार, राजनीति विज्ञानी, समाजशास्त्री और मनोविज्ञानी विचार-मंथन कर रहे हैं, पर जिस एक बात की सबने उपेक्षा की वह यह कि उत्पादकता और उपभोग की उत्तर आधुनिक सभ्यता ने मनुष्य को ऐंद्रिक आस्वाद का किस कदर गुलाम बनाया है। भारत जैसे पारंपरिक देश में शराब की दुकानों के सामने लगने वाली लंबी कतारें इसका सुबूत हैं। इसलिए आज समकालीन सभ्यता पर एक मौलिक विमर्श होना वक्त की मांग है जैसे गांधी ने 1909 में हिंद स्वराज पुस्तक के माध्यम से खड़ा किया था। 1909 में हवाई जहाज नहीं थे। रेलगाड़ियां थीं तो बीमारी धीरे फैलती थी। फिर भी गांधी ने कहा कि रेलगाड़ी महामारी फैलाती है, इसलिए बंद होनी चाहिए। कोरोना वायरस से उपजी महामारी हवाई जहाजों के जरिये फैली।

चीन से प्रारंभ होकर पूरी दुनिया के दो सौ देशों में कोरोना फैलाने वाले लोग विमानों से ही चल रहे थे और उनमें न कोई अशिक्षित था न कोई अशक्त। महामारियां तो हर सौ-डेढ़ सौ साल में फैली हैं, पर दुनिया के इतने अधिक देशों को ग्रसने वाली महामारी पहली बार आई है। इसलिए पहली बार यह महसूस किया जा रहा है कि विकसित होना, समृद्ध होना और सामरिक रूप से ताकतवर होना किसी भी राष्ट्र या समाज के सुखमय जीवन की गारंटी नहीं है, बल्कि अपने मूल के साथ जुड़े रहना, धरती के हजारों साल के अनुभव से विकसित जीवन प्रणाली को स्वीकार करना और स्वआश्रित समाज का निर्माण ही संपोष्य सभ्यता के आधार हैं।

कोरोना से जान गंवाने वाले मुंबई के पुलिसकर्मियों के परिजन को मिलेगा 65 लाख का मुआवजा

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस के कारण जान गंवाने वाले मुंबई पुलिस के जवानों के परिजन को मुआवजे के तौर पर 65-65 लाख रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मृत पुलिसकर्मियों का परिवार महाराष्ट्र सरकार से 50 लाख रुपये और एक आश्रित के लिए नौकरी का हकदार होगा। साथ ही मुंबई पुलिस फाउंडेशन (एमपीएफ) से 10 लाख रुपये और निजी बैंक बीमा कवर के माध्यम से पांच लाख रुपये की सहायता दी जाएगी। पुलिस प्रवक्ता और डीसीपी प्रणय अशोक ने इस बात की पुष्टि की है कि इस आशय का निर्णय पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह की ओर से लिया गया है। कोरोना वायरस के कारण अब तक, मुंबई के आठ

पुलिसकर्मियों की मौत हुई है और शहर में 600 से अधिक संक्रमित हैं। व्यवसायिक समुदाय, पेशेवरों, सिलेब्स और बॉलीवुड हस्तियों से दान स्वीकारने के लिए 2018 में धर्मार्थ ट्रस्ट एमपीएफ की स्थापना की गई थी। इस पंजीकृत ट्रस्ट को प्राप्त चंदे का इस्तेमाल पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए किया जाएगा। संयुक्त पुलिस आयुक्त नवल बजाज ने कहा कि यह पैसा शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में 48 घंटे के भीतर ट्रांसफर किया जा रहा है। कोरोना के कारण मुंबई पुलिस ने अब तक चंद्रकांत जी. पेंडुरकर (57), संदीप एम. सुर्वे (53), शिवाजी एन. सोनवने (57), सुनील डी. कारगुटकर, मुरलीधर एस. वाघमारे (55), भगवान एस. पार्टे (46), मधुकर वाई. माने (57) और अमोल एच. कुलकर्णी (32) को खो दिया है।

महाराष्ट्र साइबर प्रकोष्ठ साइबर अपराधियों को भेजेगा सीआरपीसी के तहत नोटिस

मुंबई। सोशल मीडिया पर कोविड-19 के बारे में फैल रही अफवाहों और गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाने के लिए महाराष्ट्र साइबर ने चेतावनी दी है कि अपराधियों को दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 149 के तहत नोटिस जारी किया जाएगा। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि राज्य पुलिस की साइबर शाखा ने लॉकडाउन के दौरान राज्य के विभिन्न पुलिस थानों पर कम से कम 400 मामले दर्ज किए हैं। अधिकारी ने कहा कि सोमवार को एक बैठक में, महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने अधिकारियों को सीआरपीसी की धारा 149, भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत साइबर अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने और उन्हें नोटिस भेजने का निर्देश दिया। सीआरपीसी की धारा 149 पुलिस को संज्ञेय अपराध को रोकने के लिए कदम उठाने का अधिकार देती है।उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस ने 400 अपराधों में से 170 आपत्तिजनक संदेशों, तस्वीरों, मीम और वीडियो को भेजने जबकि 158 आपत्तिजनक पोस्ट डालने के लिए दर्ज किए गए थे। अधिकारी ने बताया कि इनमें से कई पोस्ट कोरोना वायरस के प्रसार के लिए एक विशेष समुदाय के जिम्मेदार होने जैसे गलत संदेशों वाली थीं।

कोरोना वायरस को जीवन के हिस्से के रूप में स्वीकार करने की आवश्यकता : पवार

संवाददाता

मुंबई। राकांपा प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस बहुत जल्द पूरी तरह से समाप्त नहीं होगा और इसे जीवन के एक हिस्से के तौर पर स्वीकार किया जाना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने लोगों में स्वास्थ्य देखभाल के बारे में जागरूकता पैदा करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि लोगों को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार के सूचना विभाग से कोविड-19 से लड़ने के बारे में सामाजिक जागरूकता फैलाने का आग्रह किया। पवार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के साथ मंगलवार को कोविड-19 की चुनौतियों और राज्यों की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में चर्चा की। उन्होंने सरकार को राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं बनाने का सुझाव दिया। पवार ने ट्वीट कर कहा, कोरोना वायरस रोग

जल्द ही पूरी तरह से समाप्त नहीं होगा। कोरोना वायरस को जीवन के एक हिस्से के रूप में स्वीकार करना आवश्यक है, इससे सावधान रहें और स्वास्थ्य की देखभाल के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करें। जापान में लोग रोजमर्रा के सामाजिक जीवन में मास्क पहनते हैं, व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान देते हैं। उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण को रोकने के लिए लोगों से दस्ताने व मास्क पहनने, सैनेटाइजर का उपयोग करने और समय-समय पर साबुन से हाथ धोते रहने का आग्रह किया। पवार की पार्टी उद्धव ठाकरे नीत महाराष्ट्र सरकार में सहयोगी है। उन्होंने राज्य में लॉकडाउन में कुछ ढील देकर स्थिति को बहाल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार द्वारा हर दिन एक निश्चित समय पर जनता को राहत के बारे में जानकारी देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। श्रमिकों के अपने मूल स्थानों की ओर लौटने के बीच पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में बेरोजगारों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। उन्होंने कार्य योजना बनाने का आह्वान किया ताकि उद्योगों में उन्हें कैसे समायोजित किया जा सके। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्रियों और अधिकारियों की उपस्थिति बहाल करने की आवश्यकता है ताकि जनता के बीच विश्वास पैदा हो सके। पवार ने सरकार से मंत्रियों और अधिकारियों को अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहने के लिए उचित निर्देश जारी करने को कहा। उन्होंने कहा, दुकानें, कार्यालय और निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठानों को पूरी सावधानी के साथ खोला जाना चाहिए।

(पृष्ठ 1 का शेष)

अम्फान का कहर

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिम बंगाल तट पर पहुचने के समय चक्रवात के केंद्र के पास हवा की गति 160-170 किमी प्रति घंटे थी। एक अधिकारी ने बताया कि हावड़ा और उत्तरी 24 परगना जिले में पेड़ उखड़ने से दो महिलाओं की मौत हो गई। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के महानिदेशक एस एन प्रधान ने नई दिल्ली में कहा कि ओडिशा में 20 टीमों को तैनात कर दिया गया है जबकि पश्चिम बंगाल में 19 टीमों को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में एनडीआरएफ की टीमों ने सड़कों को साफ करने का अभियान शुरू कर दिया है। वहीं पश्चिम बंगाल में तैनात टीमों ने भी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में करीब पांच लाख लोगों को और ओडिशा में करीब 1.58 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। टीवी फुटेज में दीघा तट पर समुद्र की काफी ऊंची लहरें दिख रही हैं। भारी बारिश के कारण कई स्थानों पर पानी भर गया जबकि कच्चे मकान गिर गए या क्षतिग्रस्त हो गए। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने प्रधान के साथ मीडिया को संयुक्त रूप से संबोधित किया। उन्होंने कहा कि उत्तरी 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर जिलों में 160-170 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही थीं। हवाओं की गति बढ़कर 185 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। उन्होंने कहा कि चक्रवात का सबसे घातक हिस्सा तट पर पहुंचा गया है जिससे तीनों जिलों में भारी बारिश हुई। तूफान के केंद्र का व्यास 30 किमी का था। कोलकाता में उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना तथा पूर्वी मिदनापुर में खपरैल मकानों के ऊपरी हिस्से तेज हवाओं में उड़ गए। बिजली के खंभे टूट गए या उखड़ गए। यहां 5,500 मकान क्षतिग्रस्त हो गए, 1 व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 2 लोग जख्मी हो गए। भारी बारिश के कारण कोलकाता के निचले इलाकों में सड़कों और घरों में पानी जमा हो गया। चक्रवात देर शाम तक कोलकाता पहुंचा और 110-120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने लगीं। चक्रवात के कारण ओडिशा के पुरी, खुर्दा, जगतसिंहपुर, कटक, केंद्रपाड़ा, जाजपुर, गंजम, भद्रक और बालासोर जिलों के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। महापात्र ने कहा कि चक्रवात बुधवार देर रात तक ओडिशा से आगे बढ़ जाएगा लेकिन उस समय तक खड़ी फसलों, पेड़ों और बुनियादी ढांचे को बड़े पैमाने पर नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि उत्तरी और दक्षिणी 24 परगना और पूर्वी मिदनापुर जिलों में पांच मीटर तक का ज्वार उठ सकता है जो 15 किलोमीटर के दायरे में आने वाले क्षेत्रों को जलमग्न कर सकता है। भद्रक जिले के समुद्र तटीय गावों से 218 गर्भवती महिलाओं को निकालकर स्वास्थ्य केंद्र शिफ्ट किया गया। मंगलवार और बुधवार को इनमें 60 महिलाओं के प्रसव हुए। पश्चिम बंगाल में गुरुवार तक तेज हवाएं और बारिश के जारी रहने का अनुमान है। असम और मेघालय में भी बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है।

मुंबई में पहुंचे केंद्रीय बल

इसी के मद्देनजर बुधवार को सीआईएसएफ और सीआरपीएफ की 5 कंपनियां मुंबई के कई इलाकों में तैनात कर दी गई हैं। यह अतिरिक्त बल जोन-1, 3, 5, 6 और 9 में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की तैनाती की जाएगी। मुंबई पुलिस के पीआरओ ने जानकारी देते हुए बताया था कि यहां जोन-1 में कोलाबा से मरीन ड्राइव, जोन-3 में तारदेओ, नागपाड़ा, वर्ली से एन. एम. जोशी मार्ग तक, जोन-5 में धारावी से लेकर दादर तक, जोन-6 में चेंबूर से मानखुर्द, जोन-9 में बांद्रा से अम्बोली (अंधेरी वेस्ट) तक फोर्स की टुकड़ियां तैनात कर दी जाएंगी। राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने भी केंद्र सरकार से केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 20 कंपनियों की तैनाती की अपील की थी। उन्होंने कोरोना की वजह से महाराष्ट्र के पुलिसकर्मियों के संक्रमित होने और आने वाले ईद के त्योहार के मद्देनजर सीएपीएफ की मांग की थी। बता दें कि महाराष्ट्र में पुलिस इन दिनों बेहद चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में काम कर रही है। राज्य में पहले से ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की 32 कंपनियां तैनात हैं और वे महाराष्ट्र पुलिस के साथ मिलकर काम कर रही हैं। बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी लगातार कोरोना पॉजिटिव हो रहे हैं। पुलिसवालों को आराम करने और फिर से ठीक होने के लिए समय की आवश्यकता है, जो उन्हें नहीं मिल पा रहा है।

'अखबारों के घर-घर वितरण पर लगी पाबंदी हटाने पर फैसला जल्द ही'

संवाददाता

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि घर-घर अखबार पहुंचाने पर लगी रोक अस्थायी है और इसे हटाने के बारे में मौजूदा स्थिति का आकलन कर जल्द फैसला लिया जाएगा। अखबार वितरकों के साथ बैठक के बाद ठाकरे ने कहा कि अखबारों को घर-घर पहुंचाने पर रोक लगाने का फैसला कोरोना वायरस संक्रमण फैलने से रोकने के लिए लिया गया था। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के चौथे चरण में रेड जोन तथा कोविड-19 निषिद्ध क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित है। ठाकरे ने कहा कि मौजूदा स्वास्थ्य आपदा को देखते हुए अखबार वितरण पर रोक है लेकिन जल्द समाधान निकाला जाएगा। ऑनलाइन बैठक में वितरकों ने मुख्यमंत्री से कहा कि आवासीय सोसायटियां अखबारों के घर पर वितरण की इजाजत नहीं दे रही हैं और सामाजिक दूरी का पालन करते हुए दुकानों पर समाचार-पत्र बेचे जा रहे हैं।

फिल्मों की लंबित शूटिंग शुरू करने के लिए योजना तैयार करे फिल्म उद्योग: मुख्यमंत्री

संवाददाता

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने बुधवार को फिल्म उद्योग से जुड़े निर्माताओं से लॉकडाउन के दौरान सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए सीमित कार्यबल के साथ लंबित शूटिंग शुरू करने के लिए योजना तैयार करने को कहा। हालांकि, ठाकरे ने सिनेमाघरों को फिर से खोलने पर कोई फैसला नहीं लिया।कोरोना वायरस महामारी के कारण मध्य मार्च से ही फिल्मों की शूटिंग और अन्य निर्माण कार्यों को रोक दिया गया था।ठाकरे ने मनोरंजन उद्योग विशेषकर मराठी सिनेमा के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल से कहा, सरकार टेलीविजन और फिल्म शूटिंग और पोस्ट-प्रोडक्शन के कार्यों को सामाजिक दूरी के मानदंडों का पालन करते हुए सीमित कार्यबल के साथ फिर से शुरू करने की योजना पर विचार करेगी। प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख मांगों में सिंगल-स्क्रीन सिनेमाघरों को खोलना, कमजोर संगीत रचनाकारों की मदद करना और फिल्म निर्माण पर जीएसटी माफ करना शामिल था।

ट्रेन यात्रियों को राहत

1 जून से दुरंतो, संपर्क क्रांति जैसी 200 ट्रेनें चलेंगी

आज से ऑनलाइन बुकिंग होगी

संवाददाता

कोरोना संकट और लॉकडाउन के बीच रेल यात्रियों को राहत मिलने के आसार हैं। रेलवे 1 जून से 200 ट्रेनों की शुरूआत करेगा। इनकी लिस्ट बुधवार देर रात जारी कर दी गई। इनमें दुरंतो, संपर्क क्रांति, जन शताब्दी और पूर्वा एक्सप्रेस जैसी गाड़ियां शामिल हैं। इन गाड़ियों में एसी और नॉन एसी कोच होंगे। जनरल कोच में बैठने के लिए भी रिजर्वेशन लेना होगा। यानी ट्रेन में कोई अनरिजर्व्ड कोच नहीं होगा। इन गाड़ियों में सीटों के लिए ऑनलाइन बुकिंग 21 मई यानी गुरुवार सुबह 10 बजे से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर शुरू होगी। रिजर्वेशन काउंटर से कोई टिकट बुक नहीं होगा। इनके लिए एडवांस रिजर्वेशन पीरियड 30 दिन होगा, आरएसी और वेटिंग लिस्ट के नियम पहले की तरह होंगे।

स्लीपर का किराया देकर जनरल कोच में बैठना होगा

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, 1 जून से चलने वालीं ट्रेनों का किराया सामान्य ही होगा, लेकिन जनरल कोच में सीट बुक करने के लिए भी स्लीपर का किराया देना होगा। रेलवे ने कहा है कि सभी यात्रियों को सीट मिलेगी यानी कोई वेटिंग नहीं होगी। कोई भी यात्री वेटिंग टिकट पर यात्रा नहीं कर पाएगा। किसी भी तरह से अनारक्षित टिकट नहीं मिलेगा और न ही तत्काल टिकट की कोई व्यवस्था है।

फिलहाल श्रमिक ट्रेनें और स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रहीं

रेलवे ने 1 जून से नई ट्रेनों की शुरूआत से पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ चर्चा की। इससे पहले मंगलवार को रेल मंत्री पीयूष गोयल ने 1 जून से 200 नॉन एसी ट्रेनें चलाने की बात कही थी। 1 मई से प्रवासी मजदूरों के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनें और 12 मई से राजधानी रूट पर 15 स्पेशल ट्रेनों की शुरूआत की गई थी।

रेलवे ने 30 जून तक के सभी टिकट रद्द कर दिए थे

देशभर में रेलवे की 12 हजार यात्री ट्रेनें जनता कर्फ्यू के दिन यानी 22 मार्च से ही बंद कर दी गई थीं। इसके अलावा रेलवे ने पिछले दिनों 30 जून तक के लिए बुक हुए सभी टिकट कैंसल कर यात्रियों को रिफंड भी दे दिया था। इसका मतलब है कि ट्रेनों का परिचालन सामान्य होने में अभी वक्त लगेगा।

मानव सेवा प्रतिष्ठान की तरफ से जरूरतमंदो को राशन वितरन

पिछले दिनों मानव सेवा प्रतिष्ठान की तरफ से संस्था की संस्थापिका रानी द्विवेदी जी तथा प्रेसिडेंट शशिकांत पांडे तथा कई कार्यकर्ता ने अपने अपने क्षेत्र में जरूरत मंदो को राशन तथा खाने की वस्तुये दी जिसकी जानकारी पत्रकार व संस्था के संपर्क सचिव संदीप सिंह ने दी है।

...कैसा दौर आया है

न जाने यह कैसा दौर आया है,
अब तो दूर खुद से खुद का साया है।
इस दौर ने नफरत की सरहद को मिटाया है,
इस दौर ने हमे फिरसे इंसान बनना सिखाया है,
न जाने यह कैसा दौर आया है,
अब तो दूर खुद से खुद का साया है।

सड़कों पर सन्नाटा सा छाया है,
मैली गंगा को आज फिर साफ पाया है,
इस दौर ने पलटी पूरी दुनिया की काया है,
फिर एक बार हमें अपनों से मिलवाया है,
न जाने यह कैसा दौर आया है,
अब तो दूर खुद से खुद का साया है।

इस दौर ने कहीं किसी के धैर्य को परखा है,
तो कहीं पीड़ा में...
बरस रही किसी के अश्रुओं की बरखा है,
न जाने यह कैसा दौर आया है,
अब तो दूर खुद से खुद का साया है।

न जाने यह कैसा दौर आया है,
एक तरफ मुश्किलों का बवंडर लाया है,
तो दूजी ओर आत्मनिर्भरता का मौका दिखलाया है,
न जाने यह कैसा दौर आया है,
अब तो दूर खुद से खुद का साया है।

परिन शाह

राष्ट्रपति ट्रंप फिर बरसे

कोरोना वायरस से दुनिया में सबसे ज्यादा प्रभावित देश अमेरिका है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इसके लिए लगातार चीन पर आरोप लगा रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक बार फिर चीन को जिम्मेदार ठहराते हुए इस महामारी को चीन की 'असक्षमता' करार दिया और कहा कि इसने वैश्विक स्तर पर सामूहिक हत्या को अंजाम दिया। चीन पर लगातार हमलावर रुख बनाए रखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर आरोप लगाते हुए कहा, चीन में कुछ सनकी लोगों ने बयान जारी किया जिसमें चीन के अलावा हर किसी को वायरस के लिए दोषी ठहराया गया था जिसने अब कई लाख लोगों को मार दिया है। उन्होंने आगे कहा, कृपया इस डोप की व्याख्या करें कि यह 'चीन की अक्षमता' थी, और कुछ नहीं, इसने दुनियाभर में सामूहिक हत्या को अंजाम दिया।

महिला को दहेज के लिए किया जा रहा प्रताड़ित

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। नगरीय मोहल्ला नींम निवासी फरजाना पुत्री मु० उस्मान का विवाह 6 साल पहले नगर के मोहल्ला भब्बल्पुरी मो० कलीम पुत्र अब्दुल कलाम से शादी हुई थी दहेज की मांग को लेकर ससुरालियों से होता रहता था विवाद पहले भी हो चूका हैं मुकदमा समझोता होने के उपरान्त किया जा रहा प्रताड़ित दहेज की दोवारा मांग पर अड़े ससुराल वाले कार्यवाही से सम्बंधित दी गयी तहरीर। शादी के कुछ माह बाद तक मामला सब कुछ ठीक चला लेकिन कुछ समय बीते जाने के बाद ससुराल वाले महिला को दहेज के लिए परेशान करने लगे जिसके चलते आये दिन कहासुनी होती रहती थी जिससे क्षबध होकर फरजाना ने तंग आकर अपने मायके वालों को घटना से अवगत

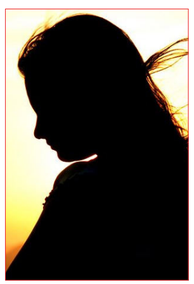

कराया दहेज में दिये गये सामान से ससुराल वाले पूर्णता खुश नही थे उसी को लेकर पति सहित परिवार वालों के विरुद्ध थाना टांडा में धारा 498 ए 323 भा०द०स० व 3/4 दहेज अधिनियम के अन्तर्गत सन 2018 में मुकदमा पंजीक्रत कराया जा चुका हैं परन्तु समाज में कुछ भले आदमियों द्वारा मामले को शान्त कर समझोता आदि करा दिया गया था समय राजी खुशी व्यतीत होता रहा फिर भी महिला से सभी रंजिश रखते चले आ रहे थे पति मो० कलीम, जेठ सलीम, सास मोबीना, ने दहेज आदि की मांग को लेकर आग बबूला हो गये दो लाख रुपए की मांग करते हुए दोवारा भगा दिया गया मांग पूरी होने पर ही फरजाना को रखा जायेगा मुल्जिमानों को समझाने को प्रयास किया गया मुल्जिमान मारने पीटने व गाली गलोच देने लात घूसों के साथ साथ बुरी तरह मारना पीटना व पास पड़ोस के लोग वहां पर इकठा हो गये किसी तरह बीन बचाव किया गया साथ ही जान से मारे जाने की धमकी भी दी गई घटना से सम्बंधित पुलिस को तहरीर देकर अवगत करा दिया गया हैं अभी तक रिपोर्ट दर्ज नही हो सकी हैं।

छात्रों को बस द्वारा उनके घरों के लिए रवाना किया गया

लॉकडाउन होने की वजह से फंस गये थे छात्र

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। लॉकडाउन के चलते मणिपुर आदि प्रदेश के छात्र नगरीय मदरसों में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे कोरोना वायरस लॉकडाउन के चलते फंस कर रह गये जिनको उपजिलाधिकारी गौरव कुमार व कोतवाल माधो सिंह बिष्ट आदि की देखरेख में मदरसों रोजतुल उलूम के छात्रों को बस द्वारा मदरसा प्रबंधकों के माध्यम से बसों द्वारा उनके घरों के लिए खाना किया गया कोरोना संक्रमण लॉकडाउन के चलते मदरसों के अंदर अन्य प्रदेश के छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे थे जो मदरसों में ही फंस कर रह गये रमजान माह में पूर्व ऐग्जाम समाप्ती के बाद उनको अपने अपने घर जान होता है तथा वापसी ईद बीते जाने के बाद हो पाती है कोरोना महामारी के चलते लॉकडाउन में ही फंस कर रह गये थे किसी तरह उनको घर जाने की इजाजत

मिल सभी प्रशासनिक तोर पर छात्रों को मदरसा प्रबंधन सहयोग के चलते बस द्वारा उनको अपने घर भेजे जाने को लेकर रवाना किया गया है।

अजमेर के इन जगहों की जरूर करें सैर

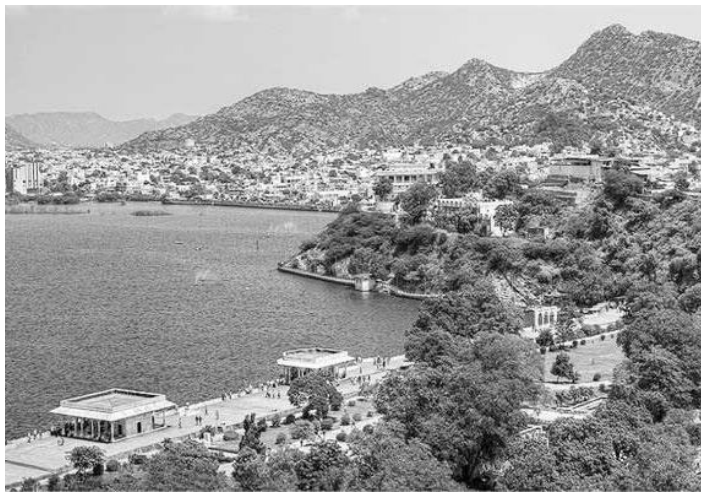

भारत बहुत ही खूबसूरत देश है। यहां पर हर राज्य की अपनी अलग खासियत है। आज हम आपको राजस्थान अजमेर में मौजूद जगहों के बारे में बताने जा रहें है, जोकि टूरिस्टों को बहुत अट्रैक्ट करती है। अजमेर के इन डेस्टिनेशन को देखने के लिए देश से नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आते है। अजमेर की इन खास जगहों पर जाकर आप अपने देश संस्कृति और इतिहास को अच्छी तरह से जान सकेंगे। अगर आप भी घूमने का प्लान बना रहें है तो अजमेर के इन एतिहासिक और खूबसूरत जगहों पर जाना ना भूलें।

1. ख्वाजा साहब की दरगाह

दक्षिण अजमेर में मौजूद ख्वाजा साहब की दरगाह पर हर धर्म के लोग आकर चादर चढ़ाते है। धार्मिक होने के साथ-साथ इस दरगाह की खूबसूरती भी पूरी दुनिया में फैमस है।

2. ढाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में घूमने वाले लोग इस ढाई दिन का झोपड़े को देखने को जरूर आते है। इस संस्कृत कॉलेज मंदिर में आप इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का नमूना देख सकते है। इस मंदिर को बनाने का काम ढाई दिन में पूरा किया गया थी, जिसके कारण इसका यह नाम पड़ा।

3. नसिया मंदिर

भारत में मशहूर अजमेर के इस 2 मंजिला भवन में लकड़ी की गिल्ट पर जैन पौराणिक कथाओं की छवियां और पुरानी जैन की छवि दिखाई देती है। इस भवन की लकड़ी में सोना लगाया गया है, जिसके कारण इसे सोने की नगरी भी कहा जाता है।

4. संग्रहालय

इस शहर की संस्कृति को और भी करीब से जाने के लिए आप यहां मशहूर संग्रहालय में जा सकते है। पहले यह संग्रहालय अकबर का महल हुआ करता था लेकिन लाल बलुआ पत्थरों से बने इस भवन को आज के समय में संग्रहालय बना दिया गया है।

5. आनासागर झील

अगर आपको बोटिंग और पानी वाली जगहें देखने का शौक है तो आप यहां की कृत्रिम झील में जा सकते है। पहाड़ियों से घिरी हुई इस झील के किनारे एक सुदंर बाग भी बना हुआ है। दौलत बाग के नाम से मशहूर इस बाग में आप रंग-बिरंगे फूल देख सकते है।

मुंबई हलचल राशिफल

-आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष: प्रयास सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। विरोध होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी।

वृष: शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

मिथुन: अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न लें। शत्रु परास्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कर्क: फालतू खर्च अधिक होगा। तनाव रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

सिंह: भागदौड़ रहेगी। विवाद न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बकाया वसूली होगी। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कन्या: प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। कार्यप्रणाली में सुधार की योजना बनेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। यात्रा सफल रहेगी।

तुला: तीर्थ दर्शन हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। संतान की चिंता रहेगी। लाभ होगा।

वृश्चिक: पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश होगा। वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु: बेचैनी रहेगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। लाभ होगा।

मकर: जल्दबाजी करने व विवाद से बचें। कानूनी अड़चन आ सकती है। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। लाभ होगा।

कुंभ: पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। नेत्र पीड़ा हो सकती है। घर में प्रसन्नता रहेगी।

मीन: शोक संदेश मिल सकता है, धैर्य रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

दुनिया के सबसे रोमांचित एम्यूजमेंट पार्क आप भी जरूर जाएं घूमने

एम्यूजमेंट पार्क यानि मनोरंजन की जगहें, जहां बच्चे से लेकर बड़े तक दिल खोल कर मस्ती करते हैं। हफ्ते में एक छुट्टी दिन की छुटटी मिलने पर भी लोग एम्यूजमेंट पार्क जैसी जगहों पर घूमना पसंद करते है लेकिन आज हम आपको ऐसे एम्यूजमेंट पार्क के बारे में बता रहें है जहां आप पूरे हफ्ते की छुट्टियां बिता सकते है। अगर आप भी एम्यूजमेंट पार्क में घूमने का प्लान बना रहें है तो आप देश-विदेश के इन पार्क में रोमांच और एक्सइटमेंट का मजा ले सकते हैं। तो चलिए जानते है रोमांचक और मजेदार एम्यूजमेंट पार्क के बारे में।

1. कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया में छुट्टियां बिताने के लिए लोग देश-विदेश से आते है। ऐसे में आप यहां के डिज्नी कैलिफोर्निया एडवेंचर्स पार्क में पूरी फैमिली के साथ मजा कर सकते है।

2. स्पेन

स्पेन में मौजूद पोर्टअवेंटूरा वर्ल्ड मस्ती और रोमांच के लिए सबसे बेस्ट है। यहां पर बड़े-बड़े झूलों पर आप दिल खोल कर एंडवेंचर कर सकते है।

3. मुंबई

भारत के मुंबई शहर में मौजूद एडलैब्स इमेजिका पार्क में आप पूरे परिवार के साथ एंजॉय कर सकते है। फैमिली या पार्टनर के साथ घूमने के लिए यह पार्क सबसे बेस्ट है।

4. दुबई

समुद्र के किनारे दुबई में मौजूद इस पार्क में ज्यादातर पानी के झूले है। अगर आपको भी पानी से प्यार है तो आप यहां वॉटर राइड का भरपूर मजा ले सकते है। इसमें आपका हॉलीडे और भी मजेदार बन जाएगा।

5. डेनमार्क

डेनमार्क की राजधानी में स्थित यह लेगोलैंड एम्यूजमेंट पार्क टिवोलि गार्डन्स के नाम से भी जाना जाता है। यह पार्क लगभग 6 करोड लेगो ब्लॉक्स से बना है।जो हर तरह के रंग और आकार के है।

6. जर्मनी

जर्मनी के फ्रायबर्ग शहर में स्थित यूरोपा पार्क दुनिया का सबसे बड़ा पार्क है। यहां13 अलग-अलग तरह के थीम एक ही जगह पर मिलते हैं। यहां का सबसे बड़ा ब्लू फायर झूला ढाई सेकेंड में 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ लेता है।

पुलिस को तलाश है कंकाल चोरों की जो उसे बस में लेकर गए थे

आप सोच रहे होंगे पहले तो कंकाल चुराना ही अजीब है उस पर इस तरह लेकर जाना तो कमाल ही है पर पूरा मामला जान कर तो आप हंस हंस कर बेहाल हो जायेंगे। किस्सा कुछ इस प्रकार है हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने एक सीसीटीवी फुटेज जारी किया है, जिसमें तीन चोर एक फाइबर ग्लास से बना कंकाल एक मॉल से चुराकर ले जाते दिख रहे हैं। बात इतनी ही नहीं है इस फुटेज से पता चल रहा है कि वे इस कंकाल को मॉल की लिफ्ट से बाहर लाते हैं और उसके बाद कंकाल के साथ बस में सवार होते हैं, और फुर्र हो जाते हैं। इसके बावजूद उनके चेहरे पर जरा सा भी डर नजर नहीं आ रहा है। हांलाकि ये घटना बीते साल नवंबर में हुई थी पर वहां की पुलिस ने इसका वीडियो फुटेज अब जारी किया है। शायद वे सारे प्रयासों के बावजूद भी चोरों को ढूंढ नहीं सके तो उन्हें जनता की मदद की आवश्यकता पड़ी है। इस फुटेज के साथ ही पुलिस ने अपील भी की है कि अगर कोई इन चोरों के बारे में कुछ जानता है या उन्हें पहचानता है तो इस बारे में सूचित करके मदद करे। तो देखा आपने चोर क्या क्या चुराते हैं और कैसे चुराते हैं।

जन्नत से कम नहीं टूरिस्ट के लिए यह खूबसूरत 'सी ऑफ स्टार्स'

घूमने-फिरने के शौकिन लोग नई-नई जगहों पर जाना पसंद करते हैं। कुछ लोगों तो पहाड़ या समुद्र देखने का बहुत शौक होता है। ऐसे में आज हम आपको खूबसूरत बीच के बारे में बताने जा रहें है। मालदीव में स्थित यह छोटा सा 'सी ऑफ स्टार्स' में जन्नत से कम नहीं लगता। इसकी खूबसूरती देखकर आपका यहां से जाने का मन नहीं करेगा। अगर आपको भी पानी के किनारे बैठने और शांत माहौल में रहने अच्छा लगता है, तो आप इस द्वीप पर जाकर खूबसूरत नजारों का मजा ले सकते है।

रात के समय इस बीच के किनारे नीले कलर के स्टार्स दिखाई देते है, जिसके कारण इसे सी ऑफ स्टार्स कहा जाता है। दरअसल ऐसा प्राकृतिक रासायनिक के कारण होता है। पानी में मौजूद समुद्री सूक्ष्मजीवों की नीली ल्यूमिनिसंस विषाक्त पदार्थों का उत्पादन करते हैं। रात के समय यह पदार्थ चमकने लगते है और स्टार्स की तरह दिखाई देते है। मालद्वीप के वाधू आइलैंड पर मौजूद यह बीच रात के समय यह समुद्र बेहद रोमांटिक हो जाता है। आप यहां पार्टनर के साथ बैठ के खूबसूरत नजारों का मजा ले सकते है। टूरिस्ट इस खूबसूरत नजारे को देखने के लिे दूर-दूर से यहां आते है।

इसके अलावा आप यहां बोट में बैठकर समुद्र के बीच जाकर खूबसूरत नजारों का मजा ले सकते है। कुछ टूरिस्ट तो यहां आकर स्टार्स के बीच बाथ का मजा भी लेते है। समुद्र के किनारों का मजा लेने के लिए आप यहां कि होटल में भी भी रूक सकते है। समुद्र किनारे बने इस होटलों से खूबसूरत नजारा साफ दिखाई देता है।

अगर आप भी ऐसी किसी जगहें पर घूमने का प्लान बना रहें है तो आप यहां घूमने के लिए जा सकते है। पार्टनर के साथ घूमने के लिए तो यह जगहें सबसे बेस्ट है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इमली के सेवन से दूर होगी बवासीर से लेकर डायबिटीज की समस्या

खट्टा मिठ्ठी इमली भोजन का स्वाद बढ़ाती है। कुछ लोग इसे चटनी बनाने के लिए भी इस्तेमाल करते है लेकिन स्वाद बढ़ाने के अलावा इमली सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होती है। विटामिन सी, एंटी-ऑक्सीडेंट, आयरन, फाइबर, मैगनीज, कैल्शियम और फॉस्फोरस के गुणों से भरपूर इमली का रोजाना सेवन कई बीमारियों को जड़ से खत्म कर देता है। हेल्थ प्रॉब्लम दूर करने के साथ-साथ यह स्किन और ब्यूटी प्रॉब्लम को दूर करने में भी मदद करती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह इमली के प्रयोग से आप सेहत की कई समस्याओं को दूर कर सकते है। तो आइए जानते है आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर इमली के फायदे।

1. जोड़ों में दर्द

इमली के बीज के पाउडर को भूनकर दिन में 2 बार पानी के साथ लें। इसका सेवन जोड़ों, घुटनों, लुब्रिकेशन और गर्दन के दर्द से राहत दिलाता है।

2. बवासीर

बवासीर की समस्या को दूर करने के लिए दिन में 2 बार रोजाना इमली का पानी पीएं। नियमित रूप से इसका सेवन बवासीर की समस्या को जड़ से खत्म कर देता है।

3. दाद-खुजली

इमली के बीजों को पीसकर उसमें नींबू मिलाकर लगाएं। इसे रोजाना लगाने से दाद-खुजली की समस्या कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

4. गले की खराश

गले की खराश या खांसी को दूर करने के लिए इसके पत्तों को पीसकर पीएं। दिन में 2 बार इसका सेवन गले की खराश या खांसी को मिनटों में दूर कर देगा।

5. कैंसर

एंटीऑक्सीडेंट और टारटरिक एसिड से भरपूर इमली शरीर में कैंसर सेल्स बढ़ने नहीं देती, जिससे कैंसर जैसी बीमारी दूर रहती है। इसे पानी में कुछ देर भिगोने के बाद सुबह खाली पेट खाएं।

6. नशे की लत

ज्यादा शराब का सेवन कैंसर जैसी बीमारी का खतरा पैदा करता है। नशे की लत को दूर करने के लिए रोजाना इमली को भिगो दें। इसके बाद इसमें गुड़ मिलाकर दिन में 2-3 बार खाएं। आपकी नशे की आदत कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

7. डायबिटीज

1 गिलास इमली के पानी का रोजाना सेवन शरीर में कार्बोहाइड्रेट्स को इकट्ठा नहीं होने देता, जोकि डायबिटीज मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है। इससे शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है और नए रेड ब्लड सेल्स बनते है।

8. बिच्छु का काटना

अगर किसी को बिच्छु काट ले तो उस जगह पर तुरंत इमली के दो टुकड़े करके लगा दें। इससे बिच्छु का जगह बेअसर हो जाएगा।

ये है मिस्र की महिलाओं के ब्यूटी सीक्रेट्स, आप भी करें ट्राई

मिस्र के लोग अपनी खूबसूरती और बेदाग त्वचा के लिए पूरे विशव में जाने जाते हैं। उनकी चेहरे पर अलग तरह का निखार होता है। मिस्र देश के लोगों को देखकर उनकी उम्र का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। वहां 40 साल की महिलाओं के चेहरे पर 25 साल की जवां लड़की की तरह निखार होता है। इसके पीछे का कारण उनका लाइफस्टाइल और घर में बनी चिजों का इस्तेमाल करना है। आप भी उनकी तरह नैचुरल निखार पाना चाहते हैं तो मिस्र देश को लोगों के ब्यूटी सीक्रेट्स को कॉपी कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं उनके सुंदरता के पीछे छिपे राज के बारे में

1. बालों के नारियल तेल

मिस्र की महिलाओं के बाल बहुत लंबे और सिलकी होती है। वह अपने बालों की देखभाल करने पर खासा ध्यान देती है। बालों को संपूर्ण पोषण देने के लिए वहां की अधिकतर महिलाएं नारियल तेल का ही इस्तेमाल करती है। उनका माना है कि बालों नारियल तेल लगाने से बाल लंबे, घने और काले रहते हैं।

2. स्क्रब के कॉफी का इस्तेमाल

स्किन से डैड स्किन निकालने के लिए वह कॉफी से बने स्क्रब का इस्तेमाल करती हैं। इसके साथ ही वह घर में बने कॉफी स्क्रब का यूज करती है। कॉफी स्क्रब बनाने के लिए कॉफी पाउडर, 1चम्मच शहद और 1 चम्मच नारियल तेल लें। अब इसको अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद तैयार स्क्रब से चेहरे की सफाई करें।

3. दूध और शहद से स्नान

शहद में एक्सफोलेटिंग और हाइड्रेटिंग गुण पाएं जाते हैं। जो रंगत निखारे का काम करते हैं। बेदाग और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए मिस्र की महिलाएं नहाने के लिए पानी का नहीं दूध और शहद का इस्तेमाल करती हैं। इस तरह नहाने से त्वचा में कसाव और चमक बनी रहती है।

4. नमक वाले पानी से नहाना

शरीर की डैड स्किन को निकालने के मिस्र की महिलाएं नमक वाले पानी से नहाती है। नमक के पानी से नहाने से त्वचा की मृत कोशिकाओं हटाने के साथ ही त्वचा संबंधी विकारों से भी बचा जा सकता है।

5. शुगर का इस्तेमाल

शरीर के अनचाहे वालों को हटाने के लिए मिस्र की महिलाएं चीनी, नींबू और पानी से बने पेस्ट का इस्तेमाल करती है। इस पेस्ट को लगाने से बाल आसनी से निकल जाते हैं। इसके साथ ही दर्द भी कम होता है।

6. कसरत

इस के अलावा मिस्र के लोग बॉडी शेप को ठीक रखने के लिए रोजाना कसरत करते हैं। वे रोइंग, फिशिंग, जंपिंग जैसी एक्टिविटीज में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं, ताकि उनका शरीर फिट रहे।

बैठे-बैठे पैर हिलाने की आदत बना सकती है इस बीमारी का शिकार

रेस्टलेस लेग सिंड्रोम एक न्यूरोलॉजिकल समस्या है। इस प्रॉब्लम का संकेत कुर्सी या फिर सोफे पर बैठ कर पैरों को लगातार हिलाना है। कई बार यह कुछ लोगों की आदत होती हैं या फिर मानसिक परेशानियों के कारण भी यह समस्या होती है। इसके होने से रात को सोते समय टांगो में बहुत जोर से दर्द होता है जिसके कारण आप चैन की नींद नहीं ले पाते। कभी-कभी कुछ लोगों में पैर हिलाने के लक्षण तो देखे जाते हैं लेकिन उन्हें किसी तरह का दर्द नहीं होता। इसका मतलब यह नहीं कि इस बीमारी से उनके शरीर को कोई नुकसान नहीं होता। अगर इस समस्या का सही समय पर ईलाज न किया जाए तो आपको आगे जाकर इसे ठीक करने के लिए न्यूरोलॉजिस्ट और साइकोलॉजिस्ट दोनों डॉक्टर से ईलाज कराने की जरूरत पड़ सकती है। आज हम आपको रेस्टलेस लेग सिंड्रोम होने के कारण, ईलाज, लक्षण के बारे में पूरी जानकारी देंगे।

1. किन-किन में देखी जाती है यह समस्या

☞ जो लोग किसी तनाव के कारण पूरी नींद नहीं ले पाते वह इस बीमारी का शिकार होते हैं।

☞ कई बार यह प्रॉब्लम ज्यादा देर काम करने वालों को अत्यधिक थकान होने के कारण भी हो सकती है।

☞ महिलाओं में यह समस्या पीरियड्स के दौरान होने वाले लगातार दर्द के कारण नींद न पूरी होने के कारण होती है।

☞ डायबिटीज और पार्किन्सन बीमारी से ग्रसित लोगों में भी यह प्रॉब्लम देखने को मिलती है।

2. इसके लक्षण

- बैठे, लेटे हर समय लगातार पैरों को हिलाना।

☞ जब पैरों में दर्द और खिंचाव महसूस होता हो।

☞ रात को अच्छे से नींद न आना बार-बार करवट बदलना।

☞ पैरों में चुभन जैसी दर्द का होना।

3. दर्द का समय

ज्यादातर इसका दर्द रात को सोने के समय होता है और दिन में ठीक हो जाता है। दिन के समय इस दर्द का कारण लंबे समय तक खड़े रहना या फिर ज्यादा देर पैदल चलने पर होता है।

4. इस बीमारी का कारण

यह बीमारी शरीर में आयरन, मैग्नीशियम और विटामिन बी12 आदि पोषक तत्वों की कमी से होती है। इसके अलावा डिप्रेशन या एलर्जी की दवाई लगातार खाने से भी रेस्टलेस लेग सिंड्रोम की समस्या हो सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

...नक्शे का मनीषा कोइराला ने किया समर्थन

भारत-नेपाल के बीच कालापानी और लिपुलेख को लेकर सीमा विवाद जारी है। अब इस मामले में बॉलिवुड की मशहूर ऐक्ट्रेस मनीषा कोइराला का भी रिऐक्शन आया है। उन्होंने नेपाल की सरकार के कदम का समर्थन किया है जिसमें उसने इन दोनों क्षेत्रों को अपने नक्शे के हिस्से के रूप में दिखाया। मनीषा ने सोमवार को नेपाल के विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली के ट्वीट पर रिप्लाई किया। ट्वीट में देश के आधिकारिक नक्शे में दो विवादित क्षेत्रों को शामिल करने की जानकारी दी गई थी। ऐक्ट्रेस ने नेपाली सरकार को धन्यवाद दिया और भारत, नेपाल और चीन का जिक्र करते हुए कहा कि वह 'सभी तीन महान देशों' के बीच शांतिपूर्ण और सम्मानजनक बातचीत की उम्मीद करती हैं। बता दें, ग्यावली ने ट्वीट में कहा था कि मंत्रिपरिषद ने अपने 7 प्रांतों, 77 जिलों और 753 स्थानीय प्रशासनिक प्रभागों को दिखाते हुए देश का एक नया नक्शा प्रकाशित करने का फैसला किया है। इसमें 'लिम्पियाधुरा, लिपुलेख और कालापानी' भी शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आधिकारिक मानचित्र जल्द ही देश का भूमि प्रबंधन मंत्रालय प्रकाशित करेगा।

अनुष्का शर्मा को लीगल नोटिस

हाल ही में एक ओटीटी प्लैटफॉर्म पर रिलीज हुई अनुष्का शर्मा की वेब सीरीज विवादों में फंस गई है। सीरीज को बॉलिवुड ऐक्ट्रेस ने प्रड्यूस किया है। इसमें इस्तेमाल किए गए एक डायलॉग के कारण ऐक्ट्रेस को नोटिस भेजा गया है। दरअसल, गिल्ड के मेंबर और प्रणय राय ऐंड असोसिएट्स के चैंबर्स से जुड़े वकील वीरेन श्री गुरुंग ने अनुष्का शर्मा को लीगल नोटिस भेजा है। गुरुंग के मुताबिक, सीरीज के दूसरे एपिसोड में एक शब्द का इस्तेमाल किया गया है जो पूरे नेपाली समुदाय का अपमान करता है। गुरुंग ने कहा, एक वीडियो क्लिप में पूछताछ के दौरान लेडी पुलिस ऑफिसर नेपाली कैरक्टर पर जातिवादी गाली का इस्तेमाल करती है। अगर केवल नेपाली शब्द का इस्तेमाल किया गया होता तो इसमें कोई समस्या नहीं थी लेकिन इसके बाद का जो शब्द है, उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। चूंकि अनुष्का इस शो की प्रड्यूसर हैं, इसलिए हमने उन्हें नोटिस भेजा है। फिलहाल ऐक्ट्रेस की तरफ से कोई रिऐक्शन नहीं आया है।

जरूरतमंदों की मदद, ताकि फीकी ना लगे ईद

बॉलिवुड ऐक्टर सलमान खान आजकल लॉकडाउन के कारण परेशानी में फंसे गरीब लोगों की बढ़-चढ़ कर मदद कर रहे हैं। सलमान रोजाना हजारों लोगों के खाने-पीने और घर का खर्च उठा रहे हैं। इस बीच सलमान रमजान के पाक महीने में भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद के लिए और कदम आगे बढ़ा रहे हैं। वह जरूरतमंदों की मदद पर नजर बनाए हुए हैं। सूत्रों की मानें तो रमजान के महीने में सलमान ज्यादा से ज्यादा लोगों तक मदद पहुंचाना चाहते हैं। हाल में कुछ घंटों के लिए मुंबई भी आए थे। बताया जाता है कि वह अपने पैरेंट्स से मिलने के बाद जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने की मुहिम को आगे बढ़ाने की योजना बनाकर गए हैं। सलमान की गैरमौजूदगी में उनके पिता सलीम खान गरीबों तक खाना पहुंचाने के काम की देखरेख कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि सलमान ने अपनी टीम से कहा है कि रमजान के महीने में जहां तक संभव हो, हर जरूरतमंद को खाना पहुंचाया जाए। सलमान ने अपने फार्महाउस के आसपास के गावों में भी खाने-पीने की व्यवस्था की है जिससे लगभग 2500 परिवारों की जरूरतें पूरी हुई हैं।